

सावर पुं. (तत्.) 1. दोष, अपराध 2. पाप, दुष्टता, जुर्म 3. लोध्रवृक्ष।

सावरण वि. (तत्.) 1. जो आवरण युक्त हो 2. गूढ़, गुप्त, रहस्य 3. ढका हुआ, बंद।

सावरणी स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की वह बुहारी जिसे जैन मुनि अपने साथ रखते हैं।

सावरिका स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की वह जोंक (जल जंतु) जो जहरीली नहीं होती।

सावर्ण वि. (तत्.) 1. जो एक ही वर्ण, नस्ल या जाति के हों 2. एक रंग वाले पुं. आठवें मनु का मातृपरक नाम।

सावर्णक पुं. (तत्.) सूर्य के आठवें पुत्र मनु, सावर्णि।

सावर्णिक पुं. (तत्.) 1. सूर्य का पुत्र मनु 2. कालगणना में प्रसिद्ध एक मन्वन्तर।

सावर्णि वि. (तत्.) 1. जो समान वर्ण या जाति के हों 2. जो एक रंग का हो।

सावर्ण्य पुं. (तत्.) 1. सवर्ण होने का भाव या गुण 2. वर्ण की समानता 3. रंग की समानता 4. श्रेणी या जाति की एकरूपता 5. सावर्णि मनु का मन्वन्तर।

सावलीन वि. (तत्.) जो लीन हो गया हो, लीनयुक्त, तल्लीन।

सावशेष वि. (तत्.) 1. जिसमें कुछ शेष रहे, बचा हुआ 2. अपूर्ण, अधूरा बचा हुआ।

सावष्टंभ पुं. (तत्.) 1. ऐसा भवन जिसके उत्तर-दक्षिण में सड़कें हों, वे शुभ मानी गई हैं वि. 1. दृढ़ 2. साहसी 3. स्वावलंबी।

सावहेल वि. (तत्.) उपेक्षायुक्त, घृणा से युक्त।

सावाज पुं. (तद्.) शिकार के योग्य या शिकार किए गए जंगली पशु।

साविका स्त्री. (तत्.) धात्री, धाय, दाई।

सावित्र वि. (तत्.) सूर्य संबंधी, सूर्यवंशी पुं. 1. सूर्य 2. ब्राह्मण 3. शिव 4. कर्ण 5. गर्भ 6. यज्ञोपवीत 7. सूर्य पुत्र शनि, यम या कर्ण।

सावित्री स्त्री. (तत्.) 1. किरण 2. ऋग्वेद का प्रसिद्ध मंत्र 3. ब्राह्मणी गायत्री मंत्र 4. पार्वती 5. यमुना नदी 6. सरस्वती नदी 7. कश्यप की एक पत्नी का नाम 8. मद्र देश के राजा अश्वपति की कन्या तथा साल्व देश के अधिपति सत्यवान् की पत्नी पुं. यज्ञोपवीत संस्कार।

सावित्री व्रत पुं. (तत्.) 1. एक व्रत विशेष 2. वह व्रत जो सुहागिन स्त्रियाँ अपने पति की दीर्घायु की कामना के लिए ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को करती हैं, इस व्रत के प्रभाव से स्त्रियाँ वैध को प्राप्त नहीं होती।

सावित्री-सूत पुं. (तत्.+तद्.) वह सूत जिससे यज्ञोपवीत या जनेऊ बनाया जाता है।

सावित्रेय पुं. (तत्.) सूर्यपुत्र, शनि, यमराज, कर्ण आदि।

सावेग वि. (तत्.) 1. आवेग युक्त, आवेगपूर्वक।

साशंक वि. (तत्.) 1. आशंकित, भयभीत, डरा हुआ।

साशंस वि. (तत्.) 1. आशंसा युक्त, आशा युक्त 2. आकांक्षा युक्त, कामना पूर्ण।

साशय वि. (तत्.) 1. जो आशय युक्त हो 2. सप्रयोजन क्रि.वि. आशय या प्रयोजन सहित।

साशिव पुं. (तत्.) 1. एक प्राचीन देश 2. उक्त देश का निवासी 3. ऋषि का पुत्र।

साश्चर्य वि. (तत्.) 1. आश्चर्य पूर्ण 2. विस्मित, चकित क्रि.वि. आश्चर्य पूर्वक।

साश्रु वि. (तत्.) 1. आश्रुयुक्त, आँसू भरे हुए, अश्रुपूर्ण क्रि.वि. अश्रुपूर्वक, आँसू बहाते हुए, रोते हुए।

साश्वत अव्य. (तद्.) 1. निरंतर, लगातार 2. सनातन।

साष्टांग वि. (तत्.) 1. आठ अंगों से युक्त पुं. प्रणाम करने का एक रूप, जिसमें व्यक्ति भूमि पर लेटकर शरीर के आठ अंगों को स्पर्श कराता हुआ विनम्रता पूर्वक प्रणाम करता है साष्टांग प्रणाम।